(i) The Readjustment of Representation of Scheduled Tribes in Assembly Constituencies of the State of Goa Bill, 2024;
(ii) The Carriage of Goods by Sea Bill, 2024;
(iii) The Bills of Lading Bill, 2024;
(iv) The Coastal Shipping Bill, 2024; and
(v) The Merchant Shipping Bill, 2024.

5. Besides these listed Business, Discussion on the Glorious Journey of 75 years of the Constitution of India will be taken up on Monday, the 16th December and Tuesday, the 17th December, 2024.

REGARDING POINT OF ORDER AND OTHER MATTERS

MR. CHAIRMAN: Hon. Members, I have received four notices under Rule 267. Hon. Members, I had indicated this earlier. While reflections are being made extensively, in the last thirty years, just reflect how many times Rule 267 notices have been admitted! I leave it to your wisdom. I have indicated it earlier. In the last thirty years... ...*(Interruptions)*... And also reflect how many notices I have received during my tenure, a record I would like to ignore, a record I would like to forget... ...*(Interruptions)*... Thirty years, just reflect! ...*(Interruptions)*... Can't I appeal even for reflection? ...*(Interruptions)*... I am only inviting your attention to statistics. ...*(Interruptions)*... Hon. Members, ...

डा. राधा मोहन दास अग्रवाल (उत्तर प्रदेश): सभापति महोदय, मैं एक औचित्य का प्रश्न आपके सामने लाना चाहता हूँ। यह बहुत महत्वपूर्ण प्रश्न है।

श्री सभापति: क्या यह प्वाइंट ऑफ ऑर्डर है?

डा. राधा मोहन दास अग्रवाल: जी हाँ, सर। सभापति महोदय, यह नियम 258 के अंतर्गत है, जो 'औचित्य के प्रश्न और उन पर निर्णय' से संबंधित है। इसमें कहा गया है - "कोई सदस्य किसी समय कोई औचित्य का प्रश्न सभापति के निर्णय के लिए प्रस्तुत कर सकेगा, किन्तु ऐसा करते हुए वह स्वयं को प्रश्न के कथन तक ही सीमित रखेगा।"

सभापति महोदय, मैं जानता हूँ, आप पूछेंगे कि किस नियम के तहत, तो मैं बहुत दुःखी हृदय से यह बता रहा हूँ। मैं 20 साल तक उत्तर प्रदेश में विधायक रहा हूँ। जो स्थिति मैंने उत्तर प्रदेश की विधान सभा में कभी नहीं देखी, वह स्थिति मैं राज्य सभा में देख रहा हूं। ...(**व्यवधान**)... महोदय, मेरा प्रश्न भारतीय संविधान के आर्टिकल 67 के संबंध में है, जो उपराष्ट्रपति की अवधि और उनके विरुद्ध लाए जाने वाले अविश्वास प्रस्ताव के संदर्भ में है। आर्टिकल 67 की धारा (B)

कहती है कि उपराष्ट्रपति को राज्य सभा के किसी ऐसे संकल्प के द्वारा अपने पद से हटाया जा सकेगा, ...(**व्यवधान**)... जिसे राज्य सभा के तत्कालीन समस्त सदस्यों के बहुमत से पारित किया गया है और जिससे लोक सभा सहमत है। किंतु इस खंड के प्रयोजन के लिए कोई संकल्प तब तक प्रस्तावित नहीं किया जाएगा, जब तक उस संकल्प को प्रस्तावित करने के आशय की कम से कम 14 दिन की सूचना न दी गई हो। ...(**व्यवधान**)... सभापति महोदय, मैं अपने आपको इसी बिंदु तक सीमित करता हूं। माननीय उपराष्ट्रपति के प्रति, माननीय चेयरमैन के प्रति नियमानुसार अविश्वास प्रस्ताव लाया जा सकता है, लेकिन उसकी एक प्रक्रिया है कि आपको लिखित नोटिस देना होता है, 14 दिन का समय देना होता है। 14 दिन के समय के बाद, उस बिंदु पर विचार हो सकता है। ...(**व्यवधान**)...

SHRI DEREK O'BRIEN (West Bengal): How can you allow this? ...*(Interruptions)*...

डा. राधा मोहन दास अग्रवाल: मैं जानता हूं कि सदन में अखबार की क्लिप नहीं दिखाई जाती, लेकिन पूरे देश के अखबार इन सूचनाओं से भरे हुए हैं, अभद्र भाषा से भरे हुए हैं, अराजक शब्दों से भरे हुए हैं ...(**व्यवधान**)... अपमानित करने वाले वाक्यों से भरे हुए हैं। ...(**व्यवधान**)... आप उपराष्ट्रपति के पद पर बैठे हुए हैं, यह आपका निजी विषय हो सकता है, लेकिन पूरे देश के लिए यह अत्यंत गर्व करने का विषय होता है। ...(**व्यवधान**)... कांग्रेस का इतिहास है कि ये कभी भी राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति को सम्मान नहीं देती है। ...(**व्यवधान**)... इस देश का इतिहास गवाह है कि देश के पहले राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद जी थे, तब पंडित जवाहरलाल नेहरू जी प्रधान मंत्री हुआ करते थे, पंडित जवाहरलाल नेहरू लगातार राष्ट्रपति जी को अपमानित करने का काम किया करते थे ...(**व्यवधान**)... यहां तक कि उन्हें दिल्ली में आवास तक नहीं दिया गया, इसलिए उन्हें सदाकत आश्रम में जाना पड़ा था। ...(**व्यवधान**)... वे बीमार रहा करते थे, उन्हें इलाज के लिए सांस की मशीन की ज़रूरत होती थी, ...(**व्यवधान**)... इन लोगों ने सांस की मशीन को हटा लिया, दवा के अभाव में पूर्व राष्ट्रपति जी की मृत्यु हुई। ...(**व्यवधान**)... सभापति महोदय, मुझे आश्चर्य होता है कि उस समय तत्कालीन माननीय प्रधान मंत्री जी राजस्थान गए हुए थे, तत्कालीन राष्ट्रपति जी पूर्व राष्ट्रपति जी की मौत पर जाना चाहते थे, लेकिन तत्कालीन माननीय प्रधान मंत्री न स्वयं पूर्व राष्ट्रपति जी की मौत पर पटना गए, बल्कि उन्होंने डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी को भी पटना जाने से मना किया, यह कितना शर्मनाक था। ...(**व्यवधान**)... एक पूर्व राष्ट्रपति की मौत हुई, तो तत्कालीन राष्ट्रपति जी उनके अंतिम संस्कार में जाना चाहते थे, लेकिन इन कांग्रेस के लोगों ने नेहरू जी के नेतृत्व में डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी को उनके अंतिम संस्कार में जाने से मना किया। हम डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी के आभारी हैं, जिन्होंने तत्कालीन प्रधान मंत्री की बात को नहीं माना। प्रधान मंत्री जी के मना करने के बावजूद भी वे गए और पटना में उनके अंतिम संस्कार में शामिल हुए। ...(**व्यवधान**)...

PROF. MANOJ KUMAR JHA (Bihar): Sir, a point of order. ...*(Interruptions)*...

डा. राधा मोहन दास अग्रवालः सभापति महोदय, यह अखबार की प्रति है, इस अखबार की प्रति को देखने के बाद मैं मल्लिकार्जुन खरगे जी के ट्विटर पर गया। ...(**व्यवधान**)... यह मल्लिकार्जुन खरगे जी का ट्विटर है, यह सोशल मीडिया पर है। यह एक डॉक्युमेंट है, जिसे मैं आपके सामने सबूत के लिए प्रस्तुत कर दूंगा। ...(**व्यवधान**)... कितने आश्चर्य की बात है, किस प्रकार के आरोप ...(**व्यवधान**)... आपने जब एक बार विशेषाधिकार का नोटिस दे दिया, तो आपको 14 दिन इंतज़ार करना चाहिए। ...(**व्यवधान**)... जब विशेषाधिकार के प्रश्न की चर्चा होती, तब आप सदन में बहस करते, लेकिन आपने माननीय उपराष्ट्रपति जी पर अखबार के पन्नों से सारे आरोप लगा दिए, ...(**व्यवधान**)... सोशल मीडिया से लगा दिए। आपको यह पता ही नहीं है। ...(**व्यवधान**)... ये बोलेंगे? *सूप तो सूप छलनी भी बोले जिसमें 72 छेद।* ...(**व्यवधान**)... मुझे याद है, इसी सदन में, मैंने देखा कि एक दिन आपने मल्लिकार्जुन खरगे जी को कोई सलाह दी, उनकी 82 साल उम्र है। ...(**व्यवधान**)... इन्होंने कहा कि मैं आपकी बात क्यों सुनूं, मुझे सोनिया जी ने अध्यक्ष बनाया है, मैं इनकी बात सुनूंगा। ...(**व्यवधान**)... हम लोग इस सदन में थे, कितनी शर्मिंदगी की बात है। ...(**व्यवधान**)... महोदय, यह पराकाष्ठा है। 82 साल की उम्र में इस प्रकार की चाटुकारिता खुलेआम पब्लिकली संसद के अंदर एक नेता प्रतिपक्ष करेगा, इसकी मैंने कल्पना भी नहीं की थी। ...(**व्यवधान**)... सभापति महोदय, जिस प्रकार के आरोप twitter पर लगाए गए हैं, मैं आपके संज्ञान में लाना चाहूंगा, अपने सदन के सदस्यों के संज्ञान में लाना चाहूंगा कि कितना घटिया आरोप, इतना पक्षपातपूर्ण आरोप है, जो यह बताता है कि इस पूरी कांग्रेस पार्टी का संवैधानिक व्यवस्था में कोई विश्वास नहीं है। ...(**व्यवधान**)... इन्होंने कहा कि उपराष्ट्रपति महोदय लगातार विपक्ष को दबाने का काम करते हैं। सच्चाई क्या है? ये सारे सत्ता पार्टी के सदस्य इस बात से दुखी हैं कि एक उपराष्ट्रपति के रूप में आपने लगातार विपक्ष को ही सुनने का काम किया है। हम आपके ऊपर आरोप नहीं लगाते हैं। ...(**व्यवधान**)... लोकतंत्र कहता है कि विपक्ष को सुना जाए। हम प्रश्न काल में देखते हैं कि एक दिन में अगर 25 प्रश्न पूछे जाते हैं, एक दिन में यदि 25 सप्लीमेंटरीज़ पूछी जाती हैं, तो 23 सप्लीमेंटरीज़ विपक्ष के लोगों की होती हैं। हम सत्ता पक्ष के लोग अपनी सप्लीमेंटरीज़ भी नहीं पूछ पाते हैं। कितने घटिया-घटिया आरोप लगाए गए हैं। ...(**व्यवधान**)... आपके ऊपर आरोप लगाया गया है कि आप आरएसएस की प्रशंसा करते हैं और संविधान की मर्यादा का हनन करते हैं। आरएसएस इस देश का सर्वाधिक राष्ट्रवादी संगठन है। ...(**व्यवधान**)... भारत के संविधान में कहां लिखा है कि कोई व्यक्ति आरएसएस के प्रति सकारात्मक विचार नहीं रख सकता है! कैसे-कैसे आरोप लगाए गए हैं? ...(**व्यवधान**)... सर, दस आरोप लगाए गए हैं। 10 जनपथ की चाटुकारिता में 10 आरोप लगाए गए हैं, 10 जनपथ का नंबर पाने के लिए 10 आरोपों की श्रृंखला लगाई गई है। आप एक किसान हैं और पूरा देश आपको सम्मान के साथ देखता है। ...(**व्यवधान**)... आप उस कुर्सी पर बैठकर भी किसानों के हित के बारे में सोचते हैं। आपके हृदय में हमेशा किसानों के प्रति पीड़ा होती है। किस प्रकार से इन्होंने इस देश के किसानों को अपमानित करने का काम किया है?

सभापति महोदय, माननीय जयंत चौधरी जी, शायद यहां नहीं हैं। ...(**व्यवधान**)... मुझे याद है कि चौधरी चरण सिंह जी को जब भारत रत्न दिया गया था, तो विपक्ष में बैठे हुए लोग किस तरह से उनको अपमानित कर रहे थे। ...(**व्यवधान**)... वे उनके मान-सम्मान को बर्दाश्त नहीं कर पा रहे थे, क्योंकि इनके जेहन में किसान विरोध है। ...(**व्यवधान**)... मैं आपसे आग्रह करता हूं कि

इन्होंने इस सदन में विशेषाधिकार का हनन किया है। यह आपके ही नहीं, बल्कि हमारे विशेषाधिकार का मुद्दा है। अगर आपको अविश्वास प्रस्ताव दिया गया है, तो हमें अखबारों के माध्यम से नहीं जानना होगा, हमें सदन की कार्रवाई से मानना होगा। ...(व्यवधान)... इसलिए हम आपसे आग्रह करते हैं कि इन सभी दस्तख्त करने वाले लोगों के खिलाफ, मेरी ओर से जो मैंने आपको लिखित में दिया गया है कि आप विशेषाधिकार हनन के प्रस्ताव को स्वीकार कीजिए और इसके ऊपर कड़ी से कड़ी कार्रवाई कीजिए। ...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: Hon. Members, what is this? ...*(Interruptions)*... Don't run too fast. ...*(Interruptions)*... Learn the lesson. ...*(Interruptions)*... You put on Twitter something which should be exclusive to the House. ...*(Interruptions)*...

श्री सुरेन्द्र सिंह नागर (उत्तर प्रदेश): सभापति महोदय, हम सौभाग्यशाली हैं कि इस देश की आज़ादी के बाद देश के दूसरे संवैधानिक पद, उपराष्ट्रपति के रूप में और इस उच्च सदन के संरक्षक के रूप में, सभापति के रूप में एक ऐसा व्यक्ति ...(**व्यवधान**)... जिसका जन्म राजस्थान के एक सुदूर, गरीब किसान परिवार में हुआ, जो ओबीसी कम्युनिटी से आता है, एक सभापति के रूप में, उपराष्ट्रपति के रूप में ...(**व्यवधान**)... जिसकी पढ़ाई-लिखाई गांव में हुई और उससे बढ़कर जब उसने अपनी ग्रैजुएशन की, उसके बाद वे सबसे कम उम्र में लॉयर के रूप में सुप्रीम कोर्ट में आते हैं ...(**व्यवधान**)...राजस्थान की विधान सभा में आपने जो प्रतिनिधित्व किया, इस देश की संसद में आपने सांसद के रूप में, मंत्री के रूप में कार्य किया। ऐसे सभापति के अगेंस्ट, ऐसे उपराष्ट्रपति के अगेंस्ट ये जो अविश्वास प्रस्ताव लेकर आए हैं, इससे इनकी जो किसान विरोधी, ओबीसी विरोधी मानसिकता है, वह स्पष्ट होती है। ...(**व्यवधान**)... इससे यह स्पष्ट होता है कि कांग्रेस के नेता, खास तौर से लीडर ऑफ दि अपोजिशन, जिनका हम सभी सम्मान करते हैं, जिन्हें आपने बार-बार मौका दिया, लेकिन इनकी जो किसान विरोधी, जाति विरोधी, ओबीसी विरोधी मानसिकता है, वह इससे प्रदर्शित होती है। ..(**व्यवधान**)... सभापति महोदय, कांग्रेस न किसान का सम्मान करती है, न ओबीसी का सम्मान करती है। इसके लिए इस देश की जनता इन्हें कभी माफ नहीं करेगी। ...(**व्यवधान**)... हरियाणा में हुआ है, महाराष्ट्र में हुआ है और आने वाले समय में इस देश का किसान, इस देश का ओबीसी आपको कभी माफ नहीं करेगा। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: नीरज शेखर जी, आप अपना भाषण आरम्भ कीजिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री नीरज शेखर (उत्तर प्रदेश): सभापति जी, मैं व्यक्तिगत रूप से बहुत पीड़ित हूं। महोदय, न केवल मैं पीड़ित हूं, बल्कि इस देश का हरेक नागरिक पीड़ित है। आज जो टिप्पणी हो रही है, ...(**व्यवधान**)... मैं देख रहा हूं कि ये लोग आज भी हर बात पर आपके ऊपर टिप्पणी कर रहे हैं, लेकिन ये लोग आज तक इस बात को नहीं समझे कि इस देश के लोग क्या चाहते हैं। ...(**व्यवधान**)...आज अगर एक किसान का बेटा इतने सर्वोच्च पद पर बैठा है, तब आप लोगों को क्या तकलीफ है? ...(**व्यवधान**).... मुझे समझ में नहीं आता कि कांग्रेस के एक-एक सदस्य को क्या

तकलीफ है, विपक्ष के लोगों को क्या तकलीफ है? ...(**व्यवधान**)... आप लोग अविश्वास प्रस्ताव लेकर आए हैं। **...**(**व्यवधान**)... आप उनसे कैसे बात कर रहे हैं? ...(**व्यवधान**)...

सभापति जी, मुझे लगता है कि इन लोगों को वॉक आउट कर लेना चाहिए। मैं आपसे आग्रह करना चाहता हूं कि इन लोगों के पास 14 दिन का समय था। ...(**व्यवधान**)... इन लोगों को परेशानी हो रही है कि एक किसान का बेटा सर्वोच्च पद पर बैठा है। अगर वह ओबीसी वर्ग से आया है, तो आप लोगों को परेशानी होती है। ..(**व्यवधान**)... महोदय, आपने देखा कि पूरे देश में हमारा एक नौजवान चैस चैंपियन बना, लेकिन एक भी व्यक्ति ने ताली नहीं बजाई। ...(**व्यवधान**)... ये लोग देश विरोधी हैं, ये लोग कभी भी नहीं चाहते कि देश में कोई ऊपर पहुँचे, ये लोग चाहते हैं कि बस एक परिवार आगे बढ़े और कोई आगे न बढ़े। ये चाहते हैं कि किसान का बेटा आगे न जाए, ओबीसी का बेटा आगे न जाए, दलित का बच्चा आगे न जाए, बस एक परिवार इस देश को चलाए। मान्यवर, ये लोग यही चाहते हैं। ...(**व्यवधान**)... ये लोग कभी काम नहीं करना चाहते और इस देश के हित के बारे में भी कभी नहीं सोचते हैं। आप जिस तरह से यह सदन चला रहे हैं, वह प्रशंसनीय है। ...(**व्यवधान**)...

सभापति जी, जब मैं विपक्ष में बैठता था, तब मेरा भी उपसभापति जी से कई बार विरोध होता था, लेकिन मैंने आज तक ऐसी टिप्पणी कभी नहीं की। अगर इनकी कोई समस्या थी, तो ये आपसे बात करते, लेकिन ये सार्वजनिक रूप से प्रैस में जाकर बात करते हैं, वहाँ जाकर लड़ते हैं, वहाँ जाकर प्रश्न करते हैं। ...(**व्यवधान**)... आप केवल इस सदन के सभापति नहीं हैं, बल्कि इस देश के उपराष्ट्रपति भी हैं। ...(**व्यवधान**)... आपका सम्मान नहीं करना, इस देश का सम्मान नहीं करना है। मैं फिर से इनसे अनुरोध करूंगा कि ये अपने आप को सुधारें, कांग्रेस के साथी अपने आपको सुधारें। ...(**व्यवधान**)... ये अपने नेता से कहें। आज इनका नेता आपकी वीडियो बनाता है, कोई आपकी नकल कर रहा है, तो वह उसकी वीडियो बनाता है। ...(**व्यवधान**)... आज देश की यह स्थिति आ गई है। आज कांग्रेस की यह स्थिति हो गई है कि उनके नेता के द्वारा वीडियो बनाया जा रहा है। ...(**व्यवधान**)... महोदय, आप पर व्यक्तिगत टिप्पणियाँ की जाती हैं। नेता विपक्ष आप पर टिप्पणी करते हैं और प्रश्न पूछ रहे हैं। आपने अविश्वास प्रस्ताव दिया है, जब उस पर जवाबी कार्यवाही होगी, आप तब बोलिएगा। ...(**व्यवधान**)... आप प्रश्न पूछेंगे! इस सदन के सभापति से प्रश्न पूछे जाएंगे! महोदय, मैं बहुत पीड़ित हूं, इस देश के लोग बहुत पीड़ित हैं। अभी बात कही है। ...(**व्यवधान**)... मुझे आज भी याद है कि चरण सिंह जी को भारत रत्न दिया गया था, जयंत चौधरी जी यहाँ बैठे हुए थे, लेकिन इन लोगों को उस पर भी आपत्ति है। किसान का जो भी बेटा आगे बढ़ा है, इन लोगों को उस पर आपत्ति है। ये किसान को आगे बढ़ते हुए नहीं देखना चाहते हैं। ...(**व्यवधान**)... आज किसान आगे बढ़ रहा है, लेकिन ये लोग उसको आगे बढ़ते हुए देखना नहीं चाहते हैं। ये चाहते हैं कि किसान खेत मे ही रहे, किसान किसी सर्वोच्च पद पर न आए। ...(**व्यवधान**)... ये किसान को वहाँ नहीं देखना चाहते हैं। ये चाहते हैं कि एक ही परिवार का व्यक्ति पद पर बना रहे। मैं फिर से अनुरोध कर रहा हूं, ...(**व्यवधान**)... मैं अपने साथियों से अनुरोध कर रहा हूं, जो लोग विपक्ष में बैठे हैं, मैं उन सभी से अनुरोध कर रहा हूं कि दूसरों का सम्मान कीजिए, जो लोग सर्वोच्च पद पर बैठे हैं, उनका सम्मान कीजिए। ...(**व्यवधान**)... यदि आपको कोई आपत्ति है, तो अंदर जाकर सभापति जी के साथ बैठकर बात कीजिए। आप जब भी खरगे जी को बात करने के लिए बुलाते हैं, वे कभी नहीं आते हैं। जो यहाँ बैठे हैं, मैं उनका नाम लेकर बता सकता हूं

कि उनके द्वारा कैसी-कैसी टिप्पणियाँ की जा रही हैं। ऐसी टिप्पणियाँ सुनकर मुझे अपने कानों पर विश्वास नहीं होता है। महोदय, जयराम रमेश जी बोलते हैं, दिग्विजय जी बोलते हैं। मैं उनके द्वारा की गई ऐसी टिप्पणियों पर खेद व्यक्त करना चाहता हूं। ...(**व्यवधान**)... आप कीजिए, आप तो हमेशा विरोध करते हैं, आपका तो व्यक्तिगत विरोध है। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापतिः श्रीमती किरण चौधरी, आप अपना भाषण आरम्भ कीजिए।

श्रीमती किरण चौधरी (हरियाणा)**:** सभापति जी किसान हमारा गौरव है और ये पूरी तरह से किसान विरोधी हैं। ...(**व्यवधान**)... एक किसान का बेटा, जो संवैधानिक पद पर बैठा हुआ है, यह इनसे बर्दाश्त नहीं हो रहा है। ...(**व्यवधान**)... एक ऐसा वकील, जो सबसे कम उम्र में पूरी तरह से वकालत छोड़कर, देश की सेवा करने के लिए आया और आज वह संवैधानिक पद पर है, इस तरह से उनका अपमान किया जा रहा है! ...(**व्यवधान**)... सभापति जी, यह हमसे बर्दाश्त नहीं होगा। ...(**व्यवधान**)... सभापति जी, ये संविधान बचाने की बात करते हैं, जबकि ये खुद ही संविधान विरोधी हैं, किसान विरोधी हैं। ...(**व्यवधान**)... किसानों के प्रति इनका कोई भी मान नहीं है। ...(**व्यवधान**)... ये सारे के सारे सिर्फ ...(**व्यवधान**)... यह आपका ही अपमान नहीं है, बल्कि जो हमारी रीढ़ की हड्डी है, उस पूरी किसान बिरादरी का अपमान है। ...(**व्यवधान**)... आज सारा हरियाणा ही नहीं, बल्कि जिस तरीके से ये बात कर रहे हैं, उसे देखकर पूरे हिंदुस्तान का किसान बहुत ही दुख में है। ...(**व्यवधान**)... हम देखते हैं कि ये संविधान बचाने की बात करते हैं और दो-दो, तीन-तीन मिनट आकर बैठते हैं, उसके बाद बाहर निकल जाते हैं। ...(**व्यवधान**)... क्या ये संविधान बचाएंगे! ...(**व्यवधान**)... इनका सारा काम पूरी तरह से केवल एक परिवार को बचाने के लिए है। ...(**व्यवधान**)... किसान, जो पूरी तरह से हमारी रीढ़ की हड्डी है, ये उस रीढ़ की हड्डी का हमेशा से अपमान करते आए हैं। ...(**व्यवधान**)... जब चौधरी चरण सिंह जी को भारत रत्न मिलना था, तब इन्होंने इसी सदन में इसी तरह से ...(**व्यवधान**)... किया था और आज वही काम दोबारा से करने जा रहे हैं। ...(**व्यवधान**)... सारा हिंदुस्तान देख रहा है कि इनकी असलियत क्या है। ...(**व्यवधान**)... ये पूरी तरह से किसान विरोधी हैं और किसानों के हिमायती बनते हैं। ...(**व्यवधान**)... सभापति जी, मैं यही कहना चाहती हूँ कि आज सारे हिंदुस्तान की नजर हमारी तरफ है। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापतिः श्री प्रमोद तिवारी। ...(**व्यवधान**)... श्री प्रमोद तिवारी। ...(**व्यवधान**)...

श्री प्रमोद तिवारी (राजस्थान)**:** सर, मैं बहुत विनम्रता के साथ कहना चाहता हूँ कि हमें गर्व है कि हमारे नेता विरोधी दल सिर्फ दलित के बेटे नहीं हैं, बल्कि किसान भी हैं। ...(**व्यवधान**)... मैं आपसे बहुत साफ कहना चाहता हूँ कि ...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN**:** What is your problem? *...(Interruptions)...* Why are you dancing? *...(Interruptions)...* What is this? *...(Interruptions)...* It is a chronic problem with you.

...(Interruptions)... No. *...(Interruptions)...* I condemn it. *...(Interruptions)...* You are not allowing him to speak. *...(Interruptions)...* Do what you feel like.

श्री प्रमोद तिवारीः *...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: Pramod Tiwari ji, nothing is going on record. प्रमोद तिवारी जी, ध्यान रखिए। ...(**व्यवधान**)... पूरे दिन चौबीसों घंटे आपका यही काम है। ...(**व्यवधान**)... मानकर चलिए, किसान का बेटा हूँ, कमजोरी नहीं दिखाऊँगा। ...(**व्यवधान**)... देश के लिए मर जाऊँगा, मिट जाऊँगा। ...(**व्यवधान**)... आप लोग चिंतन नहीं करेंगे? ...(**व्यवधान**)... चौबीसों घंटे एक ही काम है कि किसान का बेटा यहाँ क्यों बैठा है? ...(**व्यवधान**)... मैं आँखों से देख रहा हूँ, पीड़ा महसूस कर रहा हूँ। ...(**व्यवधान**)... मेहरबानी करके दिल टटोलिए, मेहरबानी करके कुछ सोचिए। ...(**व्यवधान**)... मैंने इज्जत देने में कोई कमी नहीं रखी है। ...(**व्यवधान**)... Look at the gesturing! *...(Interruptions)...* Look at what you are saying! मैंने बहुत बर्दाश्त किया है। ...(**व्यवधान**)... आज का किसान खेतों तक सीमित नहीं है। ...(**व्यवधान**)... आज का किसान हर जगह कार्यरत है। ...(**व्यवधान**)... सरकारी नौकरी में है, उद्योग में है। ...(**व्यवधान**)... आप प्रस्ताव लाए, यह आपका अधिकार है। ...(**व्यवधान**)... प्रस्ताव पर चर्चा हो, यह आपका अधिकार है, पर आपने क्या किया – संविधान की धज्जियाँ उड़ा दीं! ...(**व्यवधान**)... आपके प्रस्ताव को किसने रोका? ...(**व्यवधान**)... आपके यहाँ से बयान जारी होता है कि हमारे प्रस्ताव का क्या हुआ? ...(**व्यवधान**)... कानून पढ़िए। ...(**व्यवधान**)... आपका प्रस्ताव आ गया, तो 14 दिन बाद आएगा। ...(**व्यवधान**)... आपने एक मुहिम चला रखी है। ...(**व्यवधान**)... प्रमोद तिवारी जी, आप अनुभवी नेता हैं। ...(**व्यवधान**)... आप टटोलिए कि आपने चुन-चुनकर क्या बातें की हैं। ...(**व्यवधान**)... रिजॉल्यूशन नहीं आया, अविश्वास प्रस्ताव ले आइए। ...(**व्यवधान**)...आप उन दस प्वाइंट्स को पढ़िए। ...(**व्यवधान**)... मैं खरगे जी की इज्जत करता हूं, सौ प्रतिशत करता हूं, मेरी ज़ीरो करते हैं। ...(**व्यवधान**)... मैं कितना अनुरोध करता हूं, मैं कितना कहता हूं, मान्यवर, मुझ पर कृपा कीजिए और आपको जो समय ठीक लगे, आप मुझसे मिलने का समय निकालिए। ...(**व्यवधान**)... अगर मेरे पास नहीं आ सकते हैं, तो मैं आऊंगा। देखिए, आप अपने हिसाब से...(**व्यवधान**)... आपका तो एक क्रम हो गया है कि मुझे ट्विटर पर जाना है। ...(**व्यवधान**)... श्री मल्लिकार्जुन खरगे। ...(**व्यवधान**)... Mr. Derek O'Brien. *...(Interruptions)...* Mr. Derek O'Brien, who are you to... *...(Interruptions)...* Mr. Derek O'Brien, what is this? *...(Interruptions)...* मैं किसी भी हालत में कमजोर नहीं पड़ूंगा। ...(**व्यवधान**)... मैं सबकी सुनूंगा और पूरे दिन सुनूंगा, पर कमजोर नहीं पड़ूंगा। ...(**व्यवधान**)... देश के विरुद्ध काम नहीं करने दूंगा, किसान के विरुद्ध काम नहीं करने दूंगा। ...(**व्यवधान**)... आपको कल समय दिया, आप बोल नहीं पाए। ...(**व्यवधान**)...आपको परसों समय दिया, आप बोल नहीं पाए। ...(**व्यवधान**)...

* Not recorded.

विपक्ष के नेता (श्री मल्लिकार्जुन खरगे): आप परपज़ली उधर की साइड के मेम्बर्स को अन्य पार्टियों के खिलाफ बात करने के लिए एन्करेज कर रहे हैं। ...(**व्यवधान**)... आप यह कोशिश कर रहे हैं। ...(**व्यवधान**)... आपको अगर इस सदन को चलाना है, नीयत से चलाना है, लोकतंत्र को बचाना है, तो आप यह बात नहीं करते। ...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: Shri Mallikarjun Kharge only. *...(Interruptions)...*

श्री मल्लिकार्जुन खरगे: हर आदमी उठकर, हर मेम्बर उठकर पांच-पांच मिनट, दस-दस मिनट बात करता है। ...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: Only Shri Mallikarjun Kharge. *...(Interruptions)...* You sit down. *...(Interruptions)...* खरगे जी, आपसे अनुरोध है ...(**व्यवधान**)... आपने ट्विटर का कैसे उपयोग किया? ...(**व्यवधान**)... कुछ तो दिमाग से आया होगा! ...(**व्यवधान**)...कुछ तो दिल पसीजा होगा! ...(**व्यवधान**)...

श्री मल्लिकार्जुन खरगे: मैं बोल रहा हूं। ...(**व्यवधान**)... मेरा नाम लेकर ...(**व्यवधान**)... आप मेरी बात सुनिए। ...(**व्यवधान**)... मेरा नाम लेकर बार-बार बोल रहे हैं और आप चुप्पी साधे हुए हैं। इसका मतलब, you are encouraging them. *...(Interruptions)...* You are telling them... *(Interruptions)...*

श्री सभापति: खरगे जी, मुद्दे पर आइए, भटकिए मत। ...(**व्यवधान**)... आप मुद्दे पर बोलिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री मल्लिकार्जुन खरगे: आप अगर किसान हैं, तो मैं किसान मजदूर का बेटा हूं। ...(**व्यवधान**)... मैंने आपसे से भी ज्यादा, उनसे भी ज्यादा कष्ट सहा है। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: आप हमारे सिर पर हैं, हमारे लिए श्रद्धेय हैं। **...**(**व्यवधान**)...थोड़ा सा दिल टटोलिए। **...**(**व्यवधान**)...

श्री मल्लिकार्जुन खरगे: मैंने आपसे भी ज्यादा कष्ट सहा है। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापति: मैं खुद जानता हूं। ...(**व्यवधान**)... Nothing is going on record. *...(Interruptions)...* खरगे जी, आपका आचरण, मैं विनम्रतापूर्वक बता रहा हूं ...(**व्यवधान**)... आप खुद देखिए, आज रात सोने से पहले आप चिंतन कीजिए, मंथन कीजिए। ...(**व्यवधान**)... लीडर ऑफ दि अपोजिशन ...(**व्यवधान**)...

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः इन्सल्ट कर रहे हैं। ...(**व्यवधान**)... आप उनको बोलने दे रहे हैं। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापतिः मैं सदस्यों को बताना चाहता हूं ...(**व्यवधान**)...

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः वे लोग बार-बार बोल रहे हैं कि एक किसान के बेटे की इन्सल्ट कर रहे हैं ...(**व्यवधान**)... मैं उनको कहना चाहता हूं कि मैं तो किसान मजदूर का बेटा हूं। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापतिः आपकी इन्सल्ट कौन कर रहा है? ...(**व्यवधान**)...

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः आप उधर की साइड से सबको बोलने दे रहे हैं। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापतिः मैं तो कह रहा हूं कि आप बोलिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः सबको एन्करेज कर रहे हैं ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापतिः आप बोलिए, कृपा करके आप बोलिए। खरगे जी, आप बोलिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः हमारी पार्टी के नेताओं की इन्सल्ट कर रहे हैं। ...(**व्यवधान**)... कांग्रेस पार्टी की इन्सल्ट कर रहे हैं। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापतिः आप बोलिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः सर, यह क्या है ? ...(**व्यवधान**)... सर, अगर आप यह करना चाहते हैं, इस हाउस को इस ढंग से चलाना चाहते हैं, तो इसकी जिम्मेदारी आपकी है। ...(**व्यवधान**)... मैं कहूंगा कि आप परपज़ली उनको एन्करेज कर रहे हैं। ...(**व्यवधान**)... आप उनको बिठाइए, मैं अपनी बात कहता हूं। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापतिः माननीय सदस्यगण, ...(**व्यवधान**)...

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः साहब, हम आपकी तारीफ सुनने के लिए नहीं आए हैं। ...(**व्यवधान**)...हम देश के मुद्दों पर चर्चा करने के लिए आए हैं। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापतिः खरगे जी, पूरा देश जानता है आपको किनकी तारीफ पसंद है। ...(**व्यवधान**)...

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः देश की जनता के लिए ...(**व्यवधान**)... मुद्दों पर चर्चा करने के लिए ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापतिः किनकी तारीफ आपको पसंद है, वह मैं जानता हूँ। ...(**व्यवधान**)...

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः लोगों की समस्याओं को सुलझाने के लिए हम आए हैं। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापतिः आप कृपा करके अपनी बात कहिए। ...(**व्यवधान**)... बात कहिए। ...(**व्यवधान**)... आप अपनी बात कहिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः सिर्फ आपको बताना है, मैं बोल रहा हूँ। ...(**व्यवधान**)... देखिए, देखिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापतिः बात कहिए। ...(**व्यवधान**)... मैं सुन रहा हूँ। ...(**व्यवधान**)... मैं आपको सुनना चाहता हूँ। ...(**व्यवधान**)... मैं सुनना चाहता हूँ, कहिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः आप मेरी बात ही नहीं सुन रहे हैं। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापतिः हाँ, मैं सुन रहा हूँ। ...(**व्यवधान**)...

श्री मल्लिकार्जुन खरगेः यह देखिए, उनको बिठाइए। ...(**व्यवधान**)...

श्री सभापतिः मैं सुन रहा हूँ। ...(**व्यवधान**)... आप बोलिए। ...(**व्यवधान**)... माननीय सदस्यगण ...(**व्यवधान**)... माननीय सदस्यगण ...(**व्यवधान**)... माननीय सदस्यगण ...(**व्यवधान**)... माननीय सदस्यगण ...(**व्यवधान**)... माननीय सदस्यगण, मेरा आपसे आग्रह है ...(**व्यवधान**)... मेरा आग्रह है सदन को चलाना राष्ट्र के लिए जरूरी है, ...(**व्यवधान**)... देश के लिए जरूरी है, ...(**व्यवधान**)... समाज के लिए जरूरी है। ...(**व्यवधान**)... मैं अनुरोध करता हूँ कि 12 बजे ...(**व्यवधान**)... Hon. Members, please. ***...(Interruptions)...*** Now, Shri Tiruchi Siva. ***...(Interruptions)...***

SHRI TIRUCHI SIVA (Tamil Nadu): Sir, since morning, I have been pleading. ***...(Interruptions)...*** I heard lectures from that side. ***...(Interruptions)...*** I don't want to give a lecture. ***...(Interruptions)...*** I just want to quote the rules. ***...(Interruptions)...*** Sir, let me speak. ***...(Interruptions)...*** Please allow me to speak. ***...(Interruptions)...***

MR. CHAIRMAN: Please go ahead. ***...(Interruptions)...***

SHRI TIRUCHI SIVA: When I raised Rule 238 the other day, you reserved your ruling and yesterday, Shrimati Renuka Chowdhury's notice was dismissed based on Rule

238(v). ...*(Interruptions)*... The Leader of Opposition yesterday read Rule 238A. For the benefit of others and yourself also, I would like to remind what is there in Rule 238A. ...*(Interruptions)*... Sir, under Rule 238A, no allegation of a defamatory or incriminatory nature shall be made by a member against any other member or a member of the House unless the member making the allegation has given previous intimation to the Chairman and also to the Minister concerned so that the Minister...*(Interruptions)*... Sir, for the past two days, allegations have been made against Members of this House, Shrimati Sonia Gandhi, the Leader of Opposition and also against Members of the other House. ...*(Interruptions)*... Sir, you are the custodian of this House. ...*(Interruptions)*... You are the custodian of rules. ...*(Interruptions)*... The House has to function as per procedures and rules. ...*(Interruptions)*... You have to uphold the rules and, whatever those individual Members have spoken, these have to be expunged. ...*(Interruptions)*... This is the point of order. ...*(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: Hon. Members, please. ...*(Interruptions)*.. Shri Sanjay Singh. ...*(Interruptions)*...

श्री संजय सिंह (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली): सर, मुझे आज बहुत खुशी हुई कि आज भारतीय जनता पार्टी किसानों की बात कर रही है। ...(**व्यवधान**)...

MR. CHAIRMAN: Point of order पर बोलिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री संजय सिंह: *

श्री सभापति: भाषण है यह! ...(**व्यवधान**)... Point of order raise कीजिए। ...(**व्यवधान**)... Hon. Members, nothing will go on record. ...*(Interruptions)*... Hon. Members, I appeal to you that we need to work in the House. ...*(Interruptions)*... I appeal to the Leader of the Opposition and the Leader of the House to spare time to see me in my Chamber at noon today. ...*(Interruptions)*... I would try my utmost to bring an end to this logjam. ...*(Interruptions)*... The proceedings taking place in the House are unfortunate. ...*(Interruptions)*... We are not earning any good name from anyone. ...*(Interruptions)*...

---

* Not recorded.